

नमाज़ के लिए मस्जिद में एकत्रित होने पर बरती जाने वाली सावधानियां के सम्बंध में इम्पार द्वारा जारी मार्गदर्शन

लम्बे लॉकडाउन के बाद दिनांक 8 जून 2020 को मस्जिदों सहित सभी धर्म स्थल खोल दिये जायेंगे ऐसे में मस्जिद में आने वाले आगंतुकों और नमाज़ियों को खुद को व अपने परिवार को कोरोना बीमारी के संक्रमण से बचाने के लिए सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर निम्न सावधानियां बरतना ज़रूरी हैं,

1. हमको मस्जिद में परस्पर भौतिक दूरी बनाये रखने के नियमों का सख्ती से पालन करना है तथा एक दूसरे से हाथ मिलाने और गले मिलने से बचना है।
  2. मस्जिद में दाखिल होते या निकलते वक्त एक दूसरे के बीच 6 फिट की भौतिक दूरी बनाये रखने के लिए लाईन का इस्तेमाल करना चाहिये। मस्जिद में स्वच्छता बनाये रखने के लिए अकेले प्रवेश ज़रूरी है।
  3. फर्श पर बिछी चटाई को हटा दें तथा फर्श को अच्छी तरह साफ़ और सेनेटाईज़ करें। जूते-चप्पल की अदला-बदली न करें और उन्हें सेनेटाईज़ किये गये स्थान पर रखें।
  4. नमाज़ी अपनी जानमाज़ लेकर आयें तथा नमाज़ के दौरान मास्क का हमेशा इस्तेमाल करें। वजू के स्थान पर भीड़ न लगायें और वजू घर से करके आयें। मस्जिद के शौचालय का उपयोग करने से बचें।
  5. नल को इस्तेमाल करने से पहले साबुन से धोयें और मस्जिद में दाखिल होते वक्त वजू के स्थान पर हैंडवॉश या साबुन का इस्तेमाल करें।
  6. मस्जिद की इन्तिज़ामिया कमेटी मस्जिद के फर्श पर 6 फिट की दूरी पर गोल घेरा बनवाये ताकि नमाज़ियों में परस्पर भौतिक दूरी कायम रहे।
  7. नमाज़ पढ़ने का क्षेत्र लगातार साफ़ और सेनेटाईज़ किया जाये। फर्श की सफ़ाई के लिए क्लोरीन मिला पानी या अन्य सेनेटाईज़र का इस्तेमाल करें
  8. 60 साल से ज़्यादा उम्र के लोग, बच्चे तथा जिनका किसी बीमारी का इलाज चल रहा है वह मस्जिद में नमाज़ न पढ़ें।
  9. मस्जिद में गैरज़रूरी वक्त न बितायें तथा भौतिक दूरी का ख़्याल रखते हुये नमाज़ पढ़ने के तुरंत बाद मस्जिद से निकल जायें। नमाज़ का वक्त और कुल्चा छोटा रखें।
  10. मस्जिद का इस्तेमाल केवल फर्ज़ नमाज़ के लिए करें इसके बाद मस्जिद को अगली नमाज़ तक के लिए तुरंत बंद कर दें।
  11. अगर मस्जिद में पर्याप्त स्थान है तो नमाज़ खुले स्थान पर अदा करें वरना उसके स्थान पर किसी बंद हाल का इस्तेमाल करें। मस्जिद में रखी हुयी टोपियों का इस्तेमाल न करें।
  12. मस्जिद में अपनी पानी की बोतल साथ लायें तथा वहां रखे कूलर और साज़ा गिलास का इस्तेमाल न करें।
  13. अगर मुमकिन हो तो मस्जिद में आने वाले नमाज़ियों का एक हाज़िरी रजिस्टर बनायें ताकि समय पड़ने पर कोरोना मरीज़ के सम्पर्क में आने वालों की पहचान की जा सके। यह काम नमाज़ियों को उनकी जिम्मेदारी का अहसास करायेगा।
  14. जुमे के दिन अतिरिक्त सावधानी और सतर्कता बरतें क्योंकि इस दिन आम दिनों की बनिस्बत ज़्यादा नमाज़ी होते हैं।
  15. नमाज़ के लिए सड़क, खडंजे या फुटपाथ का इस्तेमाल न करें।
- नोट:- मस्जिद की सफ़ाई करना हर नमाज़ी का फर्ज़ है। हमको हमेशा मस्जिद को साफ़ रखना चाहिये। वजू की जगह और शौचालय की सफ़ाई पर खास ध्यान देने की ज़रूरत है और इसकी जिम्मेदारी, मस्जिद की इन्तिज़ामिया कमेटी तथा नमाज़ियों दोनों की है।